



न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक /2017 रिजीजन

PBR/मिगरानी/भोपाल/भू-रा/2017/218)

श्री अनिल शर्मा (सर्वोपे)
द्वारा आज दि 12-7-17 को
प्रस्तुत

श्री
रजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर
12-7-17

गिरधारी लाल पाटीदार पुत्र भवर
जी पाटीदार, निवासी- ई-8/
167, भरत नगर, श्याहपुरा,
भोपाल एवं कास्तकार ग्राम
मुंगलिया छाप, तहसील हुजूर
जिला भोपाल, मप्र

.....आवेदक

विरुद्ध

1. तेज सिंह पुत्री स्व. श्री अमर
सिंह, निवासी- ग्राम मुंगलिया
छाप, तहसील हुजूर जिला भोपाल,
मप्र
2. श्रीमान तहसीलदार महोदय,
तहसील हुजूर, जिला भोपाल

.....अनावेदकगण

रिजीजन अन्तर्गत धारा 50 म.प्र. भू-राजस्व संहिता विरुद्ध
आदेश दिनांक 29.05.2017 श्रीमान तहसीलदार तहसील
हुजूर जिला भोपाल द्वारा प्रकरण क्रमांक
245/बी-121/2015-16 में पारित।

(Handwritten signature)

गिरधारी लाल | तेजापुर
न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक पीबीआर/निग./भोपाल/मू.रा./2017/2181

जिला भोपाल

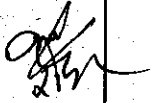
स्थान तथा
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

फ़ाइल नंबर एवं अभिलेखिकों
आदि के हस्ताक्षर

30.8.2017

आवेदक अधिवक्ता द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । तहसीलदार द्वारा पारित आदेश दिनांक 29-5-17 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया । तहसीलदार द्वारा निकाला गया निष्कर्ष विधिसंगत है कि प्रश्नाधीन भूमि के संबंध में उभयपक्ष के मध्य सत्रहवें व्यवहार न्यायालय वर्ग-1 के समक्ष प्रकरण प्रचलित है और यदि तहसीलदार द्वारा कोई आदेश पारित किया जाता है और व्यवहार न्यायालय द्वारा तहसील न्यायालय से भिन्न आदेश पारित किया जाता है तो विषम परिस्थिति बनेगी । अतः उपरोक्त निष्कर्ष के परिप्रेक्ष्य में तहसील न्यायालय द्वारा उभयपक्षों को व्यवहार न्यायालय से अंतिम निराकरण होने तक यथा स्थिति बनाये रखे जाने के आदेश देने में प्रथमदृष्टया विधिसंगत कार्यवाही की गई है। तहसीलदार द्वारा यह भी आदेशित किया गया है कि व्यवहार न्यायालय के आदेश के अध्याधीन उनका आदेश रहेगा जो कि पूर्णतः वैधानिक एवं न्यायिक कार्यवाही है । अतः यह निगरानी प्रथमदृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है ।




अध्यक्ष